404
14/9/12

खण्ड : 10 संख्या : 4, 5

नवम् बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(दशम् सत्र)

(भाग–1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

सत्यमेव जयते

बुधवार, दिनांक : 1 फरवरी 1989 ई०
वृहस्पतिवार, दिनांक : 2 फरवरी 1989 ई०

सड़क चालू करना

*482. श्री जीतन राम मांझी : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(1) क्या यह बात सही है कि गया इस्लामपुर सड़क पर मानपुर शहर में आवागमन अवरुद्ध न होने के लिए दस वर्ष पूर्व एक बाइपास सड़क का निर्माण किया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि पुनः उक्त बाईपास सड़क का निर्माण हो रहा है जिससे आमलोगों को आवागमन में काफी दिक्कत हो रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार शीघ्र मानपुर बाईपास सड़क को चालू कराने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री गौरी शंकर पाण्डेय : (1) उत्तर अस्वीकारात्मक है।

(2) उत्तर अस्वीकारात्मक है।

(3) योजना मद में सीमित निधि के अन्तर्गत बाईपास का निर्माण तत्काल सम्भव नहीं है।

श्री जीतन राम मांझी : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय सरासर सदन को गलत सूचना दे रहे हैं। उनको पता ही नहीं है कि बाईपास सड़क कहीं बनी है। यह सरासर सदन को गुमराह कर रहे हैं। आप एक कमिटी बना कर जांच करवा लें। मैं इनके उत्तर को चैलेंज करता हूं।

श्री गौरी शंकर पाण्डेय : यह मेरे विभाग की सड़क नहीं है। मैं जांच करवा दूंगा।

श्री जीतन राम मांझी : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न के खंड-1. में है कि क्या यह बात सही है कि गया इस्लामपुर सड़क पर मानपुर शहर में आवागमन अवरूद्ध न होने के लिये दस वर्ष पूर्व एक बाईपास सड़क का निर्माण किया गया है ? यह सड़क अभी वर्तमान में मौजूद है। सिर्फ गया से नवादा या हावड़ा जाने वाली रेलवे लाईन है, उसके चलते इसको चालू नहीं किया गया है। मेरा प्रश्न यह है कि उसको कब तक चालू किया जायेगा ? लेकिन हमारे माननीय मंत्री कहते हैं कि सड़क बनी ही नहीं है। यह गलत बात है।

अध्यक्ष : मंत्री जी कह रहे हैं कि जांच करवा कर कर्रवाई करेंगे।

श्री जीतन राम मांझी : किससे जांच करायेंगे ?

श्री गौरी शंकर पाण्डेय : मेरे विभाग की सड़क नहीं है। मेरी जानकारी यही है। लेकिन अगर मेरे विभाग की सड़क होगी तो मैं जांच करवा कर कार्रवाई करूंगा।

श्री जीतन राम मांझी : यह आपके ही विभाग की सड़क है।

अध्यक्ष : माननीय प्रश्नकर्ता उत्तर को चैलेंज कर रहे हैं। आप जांच करवा कर कार्रवाई करें।

योजना का कार्यान्वयन

'483. **श्री हरिशंकर प्रसाद यादव** : क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–